

क्र.सं.	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>03 <sup>19</sup>/<sub>18</sub></p> <p>24.12.18</p>	
11/3/14	<p>प्रत्येकी पेश हुई। प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, /  <del>प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, / अन्य</del>  कार्य में व्यस्त प्रत्येकी पूर्ण आदेशानुसार  दिनांक 15/3/14 को पेश हो।</p>	
15/3/14	<p>प्रत्येकी पेश हुई। प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, /  <del>प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, / अन्य</del>  कार्य में व्यस्त प्रत्येकी पूर्ण आदेशानुसार  दिनांक 4-6-14 को पेश हो।</p>	
4/8/14	<p>प्रत्येकी पेश हुई। प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, /  <del>प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, / अन्य</del>  कार्य में व्यस्त प्रत्येकी पूर्ण आदेशानुसार  दिनांक 5-8-14 को पेश हो।</p>	
5/8/14	<p>प्रत्येकी पेश हुई। प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, /  <del>प्रत्येकी मजिस्ट्रेट अप, / अन्य</del>  कार्य में व्यस्त प्रत्येकी पूर्ण आदेशानुसार  दिनांक 5, 6 की तारीख सम्म  व्यक्त है (हो है) तथा प्रत्येकी मजिस्ट्रेट  5 की आदेश के अंतर्गत एड. श्री  आकाशमण्डल को आदेश दे गयी थी  लेकिन आदेशों तक प्रकामतगण  पेश नहीं किया है अतः प्रत्येकी मजिस्ट्रेट  5 की अ. अ. आदेश की शर्तों के  प्रत्येकी मजिस्ट्रेट 5 व 6 को आदेश-आदेश  आपको दिनांक 21/11/14 को 14/12/14 को  उपस्थित रहे अतः इनके विरुद्ध उचित</p>	

हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

तारीख  
हुकम

कार्यवाही हुकम में लापी गयी है।  
प्रतिवादी व ०३ सी और जबाद १-३ पेश  
हुया जो शामिल किया गया (१-३ में  
शामिल किया गया) पत्रावली वास्त  
पेश होने जबाब प्रतिवादी व ०१ तथा  
दोसरे दिनांक ३-१-१९ का पेश  
हो।

१०/१०/१९

इकाई प्रेमी पापु जिनके प्रेमी  
पत्रावली पेश हुई। कठुलाय सप./  
अनुपस्थित/पेश करने अधिकारी  
दौर पर/कार्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व जज/शुनार आईन्दा  
दिनांक-०१/११/१९ को पेश हो।

०१/११/१९

पत्रावली पेश हुई। पत्रावली गण  
अनुपस्थित। इनके बार-बार  
आवाज डिलापी गयी। वाक्य  
आवाज कभी कभी अनुपस्थित  
रहे अतः वादी गण का वाद पत्र  
असल पेशी असल दफ्तरी के  
खारीज किया जाता है। पत्रावली  
केसम सुनार दोसरे नम्बर के  
कम है। वाद लक्ष्मी का करिये  
दफतर है।

(रजिस्ट्रार)  
ARS  
दफतर (१)